हम लोग है ऐसे दिवाने

हम लोग है ऐसे दिवाने,
दुनिया को बदल कर मानेंगे।
मंजिल की धुन में आये है,
मंजिल को पाकर मानेंगे॥
हम लोग है...॥धृ॥

जो लक्ष्य है अपना पूरा हो,
उस वक्त तसल्ली पायेंगे।
ऐसे तो नही टलनेवाले,
हम आगे बढते जायेंगे।
इस दिल मे हजारों मौज है,
तूफान उठाकर मानेंगे॥
हम लोग है...॥धृ॥

दो दिन की बहारें है जगमें
जब जुल्म किसी का चलता है।
इस जुल्म का सूरज लाख जले
हर शाम को लेकिन ढलता है।
नफरत के शोले दिल में है,
हम उनको बुझाकर मानेंगे।
हम लोग है...॥धृ॥

सच्चाई के खातिर इस युग में,
बापू ने गोली खाई है।
ईसा भी चढ गये सूली पर,
सच्चो ने जान गवाई है।
हां हम भी किसी से कम तो नहीं,
तकदीर बदलकर मानेंगे
हम लोग है...॥धृ॥